

परमेश्वर मुझसे 28 तरीकों से प्रेम करता है

युवा पाठकों के लिए बाइबल

पाठ 21 — मेरा सुंदर आँगन

मैं पढ़ सकता हूँ — वचन

“पृथ्वी और उसमें जो कुछ है, वह सब यहोवा का है। संसार और उसमें रहने वाले सभी लोग उसी के हैं।”

— भजन 24:1

मेरी कहानी

मैं तुम्हें अपने आँगन के बारे में दिखाना चाहता हूँ। मेरा आँगन कोई राष्ट्रीय उद्यान जैसा तो बिल्कुल नहीं है। लोग यहाँ छुट्टियाँ बिताने के लिए बगीचे के पास आकर नहीं रुकते और न ही पक्षियों के दाना खाने की जगह के पास अपना तंबू लगाते हैं। ज्यादातर लोग हमारे घर के पास से गाड़ी चलाकर निकल जाते हैं और मेरे आँगन को दूसरी बार देखकर भी नहीं जाते। लेकिन मुझे अपना आँगन फिर भी बहुत पसंद है, क्योंकि मैं अपने मित्र यीशु के साथ मिलकर इसे सुंदर बनाए रखने का काम करता हूँ और इसके हर कोने का आनंद लेता हूँ। आओ, मैं तुम्हें अपना आँगन दिखाता हूँ।

सबसे पहले, यह मेरा पसंदीदा पेड़ है। मुझे नहीं पता कि इसे कैसे बड़ा किया जाए, लेकिन मैं इसकी मजबूत शाखाओं पर बैठकर पक्षियों को अपना घोंसला बनाते हुए देख सकता हूँ। मैं वसंत ऋतु में इसमें पत्तियाँ नहीं उगा सकता, लेकिन गर्मियों में इसकी सुंदर छाया में बैठकर आराम कर सकता हूँ। अब समझे? यह मेरा पेड़ है, लेकिन यह परमेश्वर का पेड़ भी है!

अब मेरे आँगन में फैली मुलायम, हरी घास को देखो। जब हम कुछ साल पहले अपने घर में रहने आए थे, तब मेरे पिताजी और मैंने यह घास लगाई थी। हमने इसे नियमित रूप से पानी दिया और इसे घना और मजबूत बनाने के लिए खाद भी डाली। लेकिन हमने इसे उगाया नहीं। हमने इसे यह भी नहीं कहा कि इसका रंग हरा हो, गुलाबी या पीला नहीं हो। यह सब परमेश्वर ने किया।

यह मेरी माँ का सब्जियों का बगीचा है। इसमें स्वादिष्ट भोजन उग रहा है—ऐसा भोजन जिसे परमेश्वर ने हमारे खाने के लिए बनाया है। यहाँ टमाटर, आलू, कद्दू, गाजर, पालक और हरी फलियाँ हमारे खाने की मेज पर आने के लिए तैयार हो रही हैं। वाह! कितना स्वादिष्ट! लेकिन हमने केवल बीज बोए थे। परमेश्वर ने उन बीजों को स्वादिष्ट भोजन में बढ़ाया।

और अंत में, यह मेरे पक्षियों के लिए दाना रखने की जगह है। पूरे साल मैं यह सुनिश्चित करता हूँ कि यहाँ पक्षियों के खाने के लिए सूरजमुखी के बीज और दूसरी अच्छी चीजें मौजूद रहें।

क्या मैंने पक्षियों को बनाया है?

नहीं।

क्या मैंने उन्हें उड़ना सिखाया है?

नहीं।

क्या मैंने उन्हें उनके सुंदर रंग दिए हैं?
नहीं।

यह सब परमेश्वर ने किया है।

बात यह है: परमेश्वर जीवन पैदा करता है और मैं उसकी देखभाल करता हूँ। मैं बीज बोता हूँ और परमेश्वर उन्हें उगाता है। हम दोनों मिलकर मेरे आँगन को सुंदर बनाने का काम करते हैं। मैंने एक नया शब्द सीखा है, जो बताता है कि मैं परमेश्वर के लिए क्या करता हूँ।

मैं उसका भण्डारी हूँ। इसका अर्थ है “प्रबंधक” या “देखभाल करने वाला।”

मैंने चर्च में यह भी सीखा कि परमेश्वर ने जो चीजें बनाई हैं, उनमें से एक ऐसी चीज़ जिसकी वह चाहता है कि मैं विशेष रूप से अच्छी देखभाल करूँ—वह मैं स्वयं हूँ।

मैं भी परमेश्वर का भण्डारी हूँ, मैं केवल संसार और उसमें मौजूद हर चीज़ का परमेश्वर का भण्डारी नहीं हूँ, बल्कि मैं अपने शरीर और अपने मन का भी उसका भण्डारी हूँ। इसलिए मैं यह सुनिश्चित करता हूँ कि मैं अच्छा और पौष्टिक भोजन खाऊँ, खूब मज़ेदार व्यायाम करूँ और स्कूल में नई बातें सीखकर अपने दिमाग को मजबूत बनाऊँ।

परमेश्वर ने मुझे बनाया है। मैं अपनी देखभाल करता हूँ। हम दोनों साथी हैं। परमेश्वर चाहता है कि तुम भी एक भण्डारी बनो।

मेरी बाइबल

परमेश्वर ने इस संसार को बनाने के बाद आदम और हव्वा से अपने लिए कुछ करने को कहा।

पुस्तकालय में इस बाइबल वचन को पढ़ें और फिर नीचे दिए गए खाली स्थानों में छूटे हुए शब्द भरें।

“_____ को भर दो और उसके _____ बनो। _____ करो
_____ पर, जो _____ में हैं, और _____ पर, जो
_____ में हैं। हर _____ पर शासन करो,
जो _____ पर _____।”

(उत्पत्ति 1:28)

यह संसार किसका है? आपका? आपके माता-पिता का? आपके देश के नेताओं का?

पुस्तकालय में छिपी हुई LETTER CODE KEY में इस वचन के अक्षरों को खोजकर पता लगाएँ।

अक्षरों को खोजने में मज़ा आए!

“20____ 8____ 5____ 5____ 1____ 18____ 20____ 8____
1____ 14____ 4____ 5____ 22____ 5____
18____ 25____ 20____ 8____ 9____ 14____ 7____
15____ 14____ 9____ 20____ 2____ 5____ 12____
15____ 14____ 7____ 20____ 15____ 20____
8____ 5____ 12____ 15____ 18____ 4____”

(1 कुरिन्थियों 10:26)

मज़ेदार बातें

पृथ्वी

- भूमि पृथ्वी की सतह का 29% है; यह 57,268,900 वर्ग मील है।*
- पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा 66,700 मील प्रति घंटे की गति से करती है।
- पृथ्वी का व्यास लगभग 8,000 मील है।

कद्दू: पृथ्वी

पृथ्वी कद्दू के आकार की है और पहाड़ों के हिमनद पिघलने के कारण बीच में और मोटी होती जा रही है।

मेरी प्रार्थना

हे यीशु, अपनी दुनिया और उसमें मौजूद सभी चीज़ों की देखभाल करने के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद। जिसमें मैं भी शामिल हूँ! मैं आपके लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूँगा, क्योंकि मैं आपसे प्रेम करता हूँ। आमीन।

पुस्तकालय

“पृथ्वी को भर दो और उसके स्वामी बनो। समुद्र की मछलियों और आकाश के पक्षियों पर शासन करो। पृथ्वी पर चलने वाले हर जीवित प्राणी पर शासन करो।”

(उत्पत्ति 1:28)

अक्षर कोड

अंक अक्षर अंक अक्षर अंक अक्षर

1 A 2 B 3 C

4 D 5 E 6 F

7 G 8 H 9 I

10 J 11 K 12 L

13 M 14 N 15 O

16 P 17 Q 18 R

19 S 20 T 21 U

22 V 23 W 24 X

25 Y 26 Z

मेरी मित्र एलेन ने लिखा

“जिन लोगों को प्रभु ने अपनी संपत्ति का भण्डारी बनाया है, उन्हें अपने भरोसे के प्रति विश्वासयोग्य होना चाहिए, क्योंकि परमेश्वर उन्हें इसके लिए जिम्मेदार ठहराता है।”

— पत्र 36, 1897

यहाँ “संपत्ति” शब्द का अर्थ सामान या चीज़ें या संपत्तियाँ भी है।

परमेश्वर चाहता है कि हम उसकी चीज़ों की विश्वासयोग्य तरीके से देखभाल करें!

सोचिए और लिखिए

आप परमेश्वर की “चीज़ों” की देखभाल करने में किन-किन तरीकों से मदद कर सकते हैं?